

# दैनिक ट्रिब्यून

## सेवा ही पंजाबी बिरादरी महा संगठन का ध्येयः सीकरी



गुरुग्राम में बृहस्पतिवार को गौशाला में गऊओं को चारा देने पहुंचे पंजाबी बिरादरी महा संगठन के सदस्य। -निस

गुरुग्राम, 22 दिसंबर (निस)

पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंचकर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेटकर किया। साथ ही पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया। अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। इस दौरान वहां भ्रमण करने पहुंचे ब्लू बेल्स स्कूल के बच्चों को सीकरी ने गौमाता का महत्व बताया। सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य

है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए। बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छपा हुआ है। इस कार्यक्रम में सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# दैनिक भारत

सेवा ही पंजाबी बिरादरी महासंगठन का ध्येय : बोधराज सीकरी

■ प्रधान बोधराज सीकरी, की अगुवाई में गुरुवार को श्री चेतन दास गौ संवर्धन संस्थान (गौशाला) में की गई गौ सेवा



## भास्कर व्यूरो

गुरुग्राम। गुरुवार को पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेंट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहाँ ब्लू बेल्ल स्कूल के नहें-नहें बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया। बोधराज सीकरी ने इस अवसर पर कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता

है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए। तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छपा हुआ है। उस शंखपुष्टी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# दैनिक मेवात

## सेवा ही संगठन का ध्येय : बोधराज सीकरी



गुरुग्राम। आज पंजाबी विरादी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजारा इत्यादि भेट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के

दौरान वहाँ ब्लूबोल्ड स्कूल के नन्हे-नन्हे बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले।

जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने फ्रनमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया। बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है।

आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए।

तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के

दर्शन करवाए गए, जिसके माथे पर शंख छपा हुआ है। उस शंखपुष्पी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# भारत सारथी

पंजाबी बिरादरी महा संगठन सदा सेवारत

## बोधराज सीकरी, प्रधान की अगुवाई में श्री चेतन दास गौ संवर्धन संस्थान (गौशाला) में की गई गौ सेवा

सेवा ही संगठन का ध्येय  
: बोधराज सीकरी

### भारत सारथी

गुरुग्राम। आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहाँ ब्लूबेल्ल स्कूल के नहें-नहें बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया।

बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है।



गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की

सेवा जरूर करनी चाहिए।

तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छपा हुआ है। उस शंखपुष्पी गाय के दर्शन

कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चूग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपसर्थिति दर्ज की।

# गुरुग्राम केसटी

## बोधराज सीकरी टीम के साथ गौशाला में गायों के लिए भारी मात्रा में चारा किया दान

गुडगांव, 22 दिसम्बर (ब्यूरो): पंजाबी विरादी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेंट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की।

निरीक्षण के दौरान वहाँ ब्लूबेल्ल स्कूल के नहें-नहें बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने "नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया। बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए। तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छपा हुआ है। उस शंखपुष्पी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलन्दशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

# देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## पंजाबी बिरादरी महा संगठन सदा सेवारत

देव केसरी / अरविंद चन्दन

गुरुग्राम आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चूरी, बाजरा इत्यादि भेंट कर पूरी गौशाला का ध्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहाँ ब्लूबोल्ड स्कूल के नन्हें-नन्हे बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने

नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया।

बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से



साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए। तदोपरांत बोधराज सीकरी

व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शख छपा हुआ है। उस शंखपुष्पी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस

कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चूग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : [www.jyotidarpan.com](http://www.jyotidarpan.com)

## सेवा ही संगठन का ध्येय-बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। आज पंजाबी विरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने काटरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूमा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेंट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहाँ ब्ल्यूबोइस स्कूल के नहें-नहें बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने +नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया। बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। इन्होंने कहा कि भगवान्



गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बढ़भागी पाया। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

नये भारत का अखबार



# गुडगांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकारी

हरियाणा के सभी ज़िलों, चंडीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

## सेवा ही संगठन का ध्येय : बोधराज सीकरी



ब्लूरो/गुडगांव मेल

गुडगांव, 22 दिसंबर। आज पंजाबी विराटी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी,

बाजरा इत्यादि भेट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहाँ ब्लूबेल्ल स्कूल के नन्हे-नन्हे बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज

सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया।

बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए।

तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके गाथे पर शंख छपा हुआ है। उस शंखपुष्पी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़ा भागी पाया।

इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवेंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फतेहाबाद से प्रकाशित

# पार्यनियर

## सेवा ही पंजाबी बिरादरी महा संगठन का ध्येय : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गोशाला में पहुंचकर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेटकर किया। साथ ही पूरी गोशाला का भ्रमण भी किया। अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गो सेवा की।

इस दौरान वहां भ्रमण करने पहुंचे ब्लू बेल्स स्कूल के बच्चों को बोधराज सीकरी ने गोमाता का महत्व बताया। श्री सीकरी ने कहा कि गो सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल



से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गो सेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गो सेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्रीगोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गो के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छपा हुआ है।

# बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

गौशाला पहुंचकर पंजाबी बिरादरी महासंगठन की टीम ने की गौमाता की सेवा

जरुरतमंदों की सेवा करना ही है संगठन का प्रमुख उद्देश्य : बोधराज सीकरी



गौशाला पहुंचे महासंगठन के पदाधिकारी।

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। शहर की प्रमुख सामाजिक संस्था पंजाबी बिरादरी महासंगठन की टीम संस्था के प्रधान व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में काटरपुरी क्षेत्र स्थित श्री चेतन दारा गौ रांबर्धन रांभान (गौशाला) पहुंची। बोधराज सीकरी व टीम के सदस्योंने ने गौमाता को चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा आदि खिलाया। इस दौरान बनू बेल्स स्कूल के छात्रों ने भी सीकरी से मुलाकात की। श्री सीकरी ने बच्चों व शिक्षिकाओं

को भारतीय संस्कृति व गौमाता के महत्व को विस्तार से बताया। सीकरी का कहना है कि भारतीय संस्कृति में गौ का बड़ा महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी ग्वाल बनकर गौमाता की सेवा की थी, तभी से उनका नाम गौपाल हुआ। गौरोत्ता करने रो जीवन के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। गौमाता में देवी-देवताओं का बास होता है। अदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। भगवान श्रीराम व भगवान श्री कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा

का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए। इसके बाद बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन कराए गए जिसके गाथे पर शांख छापा हुआ है। उरा शंखुणी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस अवसर पर रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला, उमेश ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

# गुडगांव टुडे

## सेवा ही संगठन का ध्येय : बोधराज सीकरी

■ बोधराज सीकरी की अगुवाई में श्री चेतन दास गौ संवर्धन संस्थान (गौशाला) में की गई गौ सेवा।

गुडगांव टुडे, गुरुग्राम

आज पंजाबी विरादी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने काटरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहां ब्लूबेल्ल स्कूल के नहें-नहें बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया।



बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए।

तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छपा हुआ है। उस शंखापुण्डी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया।

इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवर्ष चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# अमर भारती

एक उम्मीद

## गौशाला पहुंचकर पंजाबी विरादरी महासंगठन की टीम ने की गौमाता की सेवा

जरुरतमंदों की सेवा करना ही है संगठन का प्रमुख उद्देश्य : बोधराज सीकरी

अमर भारती संवाददाता गुरुग्राम, शहर की प्रमुख सामाजिक संस्था पंजाबी विरादरी महासंगठन की टीम संस्था के प्रधान व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में कार्टरपुरी क्षेत्र स्थित श्री चेतन दास गौ संवर्धन संस्थान (गौशाला) पहुंची। बोधराज सीकरी व टीम के सदस्यों ने गौमाता को चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा आदि खिलाया। इस दौरान ब्लू बेल्स स्कूल के छात्रों ने भी सीकरी से मुलाकात की। सीकरी ने बच्चों व शिक्षिकाओं को भारतीय संस्कृति व गौमाता के महत्व को विस्तार से बताया। सीकरी का कहना है कि भारतीय संस्कृति में गौ का बड़ा महत्व है।



भगवान श्रीकृष्ण ने भी ग्वाल बनकर गौमाता की सेवा की थी, तभी से उनका नाम गौपात हुआ। गौसेवा करने से जीवन के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। गौमाता में देवी-देवताओं का वास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। भगवान श्रीराम व भगवान श्री कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए।

इसके बाद बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन कराए गए जिसके माथे पर शंख छ्पा हुआ है। उस शंखपुष्टी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बढ़भागी पाया। इस अवसर पर रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला, उमेश ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

# ओपन सर्व

## ਪੰਜਾਬੀ ਬਿਰਾਦਰੀ ਮਹਾ ਸੰਗਠਨ ਸਦਾ ਸੇਵਾਏਤ

- ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ, ਪ੍ਰਧਾਨ ਕੀ ਅਗੁਆਈ ਮੈਂ ਆਜ ਸ਼੍ਰੀ ਚੇਤਨ ਦਾਸ ਗੌ ਸੰਵਰਧਨ ਸੰਥਾਨ (ਗੌਸ਼ਾਲਾ) ਮੈਂ ਕੀ ਗਈ ਗੌ ਸੇਵਾ
- ਸੇਵਾ ਹੀ ਸੰਗਠਨ ਕਾ ਧ੍ਯੇਯ : ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ

### ਓਪਨ ਸਰਚ

ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ। ਆਜ ਪੰਜਾਬੀ ਬਿਰਾਦਰੀ ਮਹਾਸੰਗਠਨ ਕੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਕੀ ਅਗੁਆਈ ਮੈਂ ਪਦਾਧਿਕਾਰਿਯਾਂ ਕੇ ਏਕ ਸਮੂਹ ਨੇ ਕਾਟੋਖੂਰੀ ਪਾਲਮ ਵਿਹਾਰ ਗੌਸ਼ਾਲਾ ਮੈਂ ਪਹੁੰਚ ਕਰ ਅਮਾਵਸਾਂ ਕੇ ਤਪਲਕਾਂ ਮੈਂ ਚਾਰਾ, ਭੂਸਾ, ਗੁਝੂ, ਚੁਰੀ, ਬਾਜ਼ਾਰ ਇਤਿਆਦਿ ਪੇਟ ਕਰ ਪੂਰੀ ਗੌਸ਼ਾਲਾ ਕਾ ਭਰਮਣ ਪੀਂਕਿਆ ਔਰ ਅਪਨੇ ਹਾਥਾਂ ਸੇ ਸਭੀ ਨੇ ਸੇਵਾ ਭਾਵ ਸੇ ਗੌ ਸੇਵਾ ਕੀ। ਨਿਰੀਕਾਣ ਕੇ ਦੀਰਾਨ ਵਹਾਂ ਬਲੂਬੇਲ ਸਕੂਲ ਕੇ ਨਹੋਂ-ਨਹੋਂ ਬਚੇ ਭੀ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਸੇ ਮਿਲੇ। ਜਿਨ੍ਹੇ ਤਨਕੀ ਅਧਿਆਪਿਕਾਵਾਂ



ਨੇ "ਨਮਸ਼ਟੇ ਕੇ ਅਭਿਵਾਦਨ ਸੇ ਪਰਿਚਿਤ ਕਰਾਵਾ ਔਰ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਤਨ੍ਹੋਂ ਗੌਮਾਤਾ ਕਾ ਮਹਤਵ ਭੀ ਬਤਾਵਾ।

ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਗੌ ਸੇਵਾ ਸ਼ਬਦ ਵਿਚ ਬਡਾ ਪੁਣਿ ਕਾ ਕਾਰਘ ਹੈ। ਗਾਧ ਮਾਤਾ ਮੈਂ ਦੇਵੀ-ਦੇਵਤਾਵਾਂ ਕਾ ਨਿਵਾਸ ਹੋਵਾ ਹੈ। ਆਦਿਕਾਲ ਸੇ ਸਾਧੁ-ਸਤ ਋ਹਿ-ਮੁਨਿਵਾਂ ਨੇ ਗੌ ਸੇਵਾ ਕੇ ਲਿਏ ਮਨੁਥ ਕੋ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਿਆ ਹੈ। ਤਨ੍ਹੋਨੇ

ਕਹਾ ਕਿ ਖਾਗਦਾਨ ਰਾਮ ਕ੃ਣਾ ਕੇ ਜੀਵਨ ਪ੍ਰਸੰਗ ਮੈਂ ਗੌ ਸੇਵਾ ਕਾ ਬਡਾ ਮਹਤਵ ਬਤਾਵਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਹਮੇਂ ਭੀ ਗੌ ਮਾਤਾ ਕੀ ਸੇਵਾ ਜ਼ਰੂਰ ਕਰਨੀ ਚਾਹਿਏ।

ਤਦੋਪਾਂਤ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਵ ਸੰਗਠਨ ਕੇ ਪਦਾਧਿਕਾਰਿਯਾਂ ਕੋ ਸ਼੍ਰੀ ਗੌਵਰਧਨ ਮੰਦਿਰ ਕੇ ਦਰਸ਼ਨ ਵ ਪ੍ਰਸਾਦ ਗ੍ਰਹਣ ਕਰਵਾਕਰ ਏਕ ਐਸੀ ਗੌ ਕੇ ਦਰਸ਼ਨ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਜਿਸਕੇ ਮਾਥੇ ਪਰ

ਸ਼ਾੰਖ ਛਾਪਾ ਹੁਆ ਹੈ। ਤਥਾਂ ਸ਼ਾੰਖਪੁਸ਼ੀ ਗਾਧ ਕੇ ਦਰਸ਼ਨ ਕਰ ਸਭੀ ਨੇ ਅਪਨੇ ਆਪ ਕੋ ਬਡਾਭਾਗੀ ਪਾਵਾ। ਇਸ ਕਾਰ੍ਯਕ੍ਰਮ ਮੈਂ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਕੇ ਅਤਿਰਿਕਤ ਰਸਲਾਲ ਗ੍ਰੋਵਰ, ਏਨ ਗੋਸ਼ਾਈ, ਧਰੰਦਰ ਬਜਾਅ, ਰਮੇਸ਼ ਕਾਮਰਾ, ਯਦੁਵਿੰਸ਼ ਚੁਗ, ਵਿਜਯ ਬਾਟਲਾ ਏਵਂ ਤਮੇਸ ਗ੍ਰੋਵਰ ਨੇ ਇਸ ਮਹਾਨ ਯੋਤ੍ਤ ਮੈਂ ਅਪਨੀ ਤਪਾਖਿਤੀ ਦਰਜ ਕੀ।

# रण टाइम्स

**सेवा ही संगठन का ध्येय :-  
बोधराज सीकरी**



राजू गुप्ता

**गुरुग्राम, (रण टाइम्स)** | आज पंजाबी विरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेट कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहाँ ब्लूबेल्स स्कूल के नन्हे-नन्हे बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने नमस्ते के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का महत्व भी बताया।

बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास

होता है। अदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए। तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छ्या हुआ है। उस शंखपुष्टी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रावर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# हरियाणा की आवाज

## सेवा ही पंजाबी बिरादरी महा संगठन का ध्येयः बोधराज सीकरी



गुरुग्राम(राकेश)। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गैशला में पहुंचकर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुड़, चुरी, बाजरा इत्यादि भेंटकर किया। साथ ही पूरी गैशला का भ्रमण भी किया। अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। इस दौरान वहां भ्रमण करने पहुंचे ब्लू बेल्स स्कूल के बच्चों को बोधराज सीकरी ने गौमाता का महत्व बताया। सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया

है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा जरूर करनी चाहिए। तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद ग्रहण करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छ्पा हुआ है। उस शंखपुष्पी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

10:36 pm ✓

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

पंजाबी बिरादरी महा संगठन सदा सेवारत

## बोधराज सीकरी, प्रधान की अगुवाई में श्री चेतन दास गौ संवर्धन संस्थान (गौशाला) में की गई गौ सेवा



ह्यूमन इंडिया/व्हरो

गुरुग्राम। आज पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टरपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावस्या के उपलक्ष्य में चारा, भूसा, गुह, चुरी, बाजरा इत्यादि भेट

कर पूरी गौशाला का भ्रमण भी किया और अपने हाथों से सभी ने सेवा भाव से गौ सेवा की। निरीक्षण के दौरान वहाँ अनुबंधल स्कूल के नहें-नहें बच्चे भी बोधराज सीकरी से मिले। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने नमस्ने के अभिवादन से परिचय कराया और बोधराज सीकरी ने उन्हें गौमाता का

महत्व भी बताया।

बोधराज सीकरी ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। गाय माता में देवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से साधु-संत ऋषि-मुनियों ने गौसेवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम कृष्ण के जीवन

- सेवा ही संगठन का ध्येय : बोधराज सीकरी

प्रसंग में गौसेवा का बड़ा महत्व बताया गया है। हमें भी गौ माता की सेवा ज़फर करनी चाहिए।

तदोपरांत बोधराज सीकरी व संगठन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रसाद प्राप्त करवाकर एक ऐसी गौ के दर्शन करवाए गए जिसके माथे पर शंख छपा हूआ है। उस रंगिनुम्बी गाय के दर्शन कर सभी ने अपने आप को बड़भागी पाया। इस कार्यक्रम में बोधराज सीकरी के अतिरिक्त रामलाल ग्रोवर, एन गोसाई, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, यदुवंश चूग, विजय बटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

# Bharat Sarathi

A Complete News Website

## पंजाबी विरादरी महा संगठन सदा सेवारत.....सेवा ही संगठन का ध्येय : बोधराज सीकरी

© Dec 22, 2022 • eap.party.haryana, haryana bjp, haryana congress, haryana sarkar, INLD, jip, रेनार्डी विरादरी महात्मगण गुरुनानक, रेनार्डी विरादरी महात्मगण(ट्रिं), प्रधान बोधराज सीकरी, नृग्रहलती जनशुद्धि लालै



### बोधराज सीकरी, प्रधान की अगुवाई में आज श्री चेतन दास गौ संवर्धन संस्थान (गौशाला) में की गई गौ सेवा

गुरुनानम। आज पंजाबी विरादरी महात्मगण के प्रधान बोधराज टीकटी की अगुवाई में पदाधिकारियों के एक समूह ने कार्टपुरी पालम विहार गौशाला में पहुंच कर अमावटया के उपलक्ष्य में चारा, भूता, गुद, चुटी, वाजटा इत्यादि भेंट कर पूरी गौशाला का क्षमण भी किया और अपने हाथों से रासी ने रोबा भाव से गौ टोवा की।

निर्दीक्षण के दौरान वहाँ ब्लूवेल्ल ट्कूल के नन्ह-नज्हट बच्चे भी बोधराज टीकटी से बिलें। जिन्हें उनकी अध्यापिकाओं ने 'जमटते के अभिवादन' से परिचय कराया और बोधराज टीकटी ने उन्हें गोमाता का भहत्व भी बताया।

बोधराज टीकटी ने कहा कि गौ टोवा टाबड़ी बढ़ा पुण्य का कार्य है। गाय भाता में टेवी-देवताओं का निवास होता है। आदिकाल से टाथु-ठात क्रषि-मुनियों जे गोटोवा के लिए मनुष्य को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भगवान टाम कृष्ण के जीवन प्रर्तिगम में गोटोवा का बड़ा भहत्व बताया गया है। हमें भी गो माता की टोवा नठट करनी चाहिए।

तदोपर्ति बोधराज टीकटी व रंगनन के पदाधिकारियों को श्री गोवर्धन मंदिर के दर्शन व प्रदाद यहूण कटवाकर एक ऐसी गो के दर्शन करवाए गए जिसके माध्ये पट शंख छपा हुआ है। उस शंखपुष्पी गाय के दर्शन कर रासी ने अपने आप को बड़भाजी पाया।

इस कार्यक्रम में बोधराज टीकटी के अतिरिक्त टामलाल ग्रोवर, एन गोटार्ड, थमेंट्र वजाज, टमोथा कामटा, यदुवंश चुग, विजय बाटला एवं उमेश ग्रोवर ने इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

